MAHD-06

December - Examination 2016

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा – साहित्य

Paper - MAHD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है। एण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) उपन्यास की परिभाषा अज्ञेय ने किस प्रकार दी है?

(ii) किस उपन्यास को कृषक जीवन का महाकाव्य कहा है? तथा उक्त उपन्यास के लेखक कौन हैं?

(iii) 'शेखर : एक जीवनी' के के अतिरिक्त अज्ञेय के दो अन्य उपन्यासों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) 'अरण्या और ईशान' किस उपन्यास के मुख्य पात्र हैं? तथा उपन्यासकार का नाम भी लिखिए।

(v) अमरकान्त की कहानी 'ज़िन्दगी ओर जोंक' किस वर्ग की मानसिकता और स्वार्थपरता का चित्रण करती है?

(vi) जयशंकर प्रसाद के किन्हीं दो कहानी संग्रहों का नामोल्लेख कीजिए।

(vii) 'ज़िन्दगी और गुलाब' कहानी की मूल संवेदना क्या है?

(viii) 'टूटना' कहानी राजेन्द्र यादव के किस कहानी संग्रह से ली गई है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) आंचलिक उपन्यास किसे कहते हैं? संक्षेप में परिचय दीजिए।

3) हिन्दी उपन्यास के विकास में देवकीनन्दन खत्री के योगदान को रेखांकित कीजिए।

4) फ्रायड का मनोविज्ञान एवं अज्ञेय की औपन्यासिक दृष्टि को स्पष्ट कीजिए।

5) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

6) 'पिता' कहानी के पिता का चरित्र चित्रण कीजिए।

7) 'मेरा दुश्मन' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

8) निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

हारे हुए महीप की भाँति उसने अपने को इस तीन बीघे की किले में बन्द कर दिया था और उसे प्राणों की तरह बचा रहा था। फाके सहे, बदनाम हुआ, मजूरी की, पर किले को हाथ से न जाने दिया; मगर अब वह किला भी हाथ से निकला जाता था। तीन साल से लगान बाकी पड़ा हुआ था और अब पण्डित नोखेराम ने उस पर बेदखली का दावा कर दिया था। कहीं से रूपये मिलने की आशा न थी। जमीन उसके हाथ से निकल जाएगा और उसके जीवन के बाकी दिन मजूरी में कटेंगे। भगवान् की इच्छा!

9) शनीचरी देवी का कहाँ तक संबंध है, मुझे अब ख्याल आया। शनीचरी अपने जमाने की एक प्रचण्ड डोमिन थी। ताड़का की तरह लम्बी–तगड़ी और लड़ने–झगड़ने में उस्ताद। वह किसी से भी नहीं डरती थी और नित्य ही किसी न किसी से मोर्चा लेती थी। एक बार किसी लड़ाई में एक डोम ने शनीचरी की खोपड़ी पर एक लठ्ठ जमा दिया जिससे उसका प्राणान्त हो गया। लेकिन एक डेढ़ हप्ते बाद ही उस डोम को चेचक निकल आयी और वह मर गया। लोगों ने उसकी मृत्यु का कारण शनीचरी देवी का प्रकोप समझा। डोमों ने श्रध्दा से उसका चबूतरा बना दिया और तब से वह छोटी जातियों में शनीचरी माता या शनीचरी देवी के नाम से प्रसिध्द हो गई।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) हिन्दी के विभिन्न कहानी आंदोलनों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

11) यशपाल की कहानी 'महाराजा का इलाज' का कहानी के तत्त्वों के आधार पर विवेचन कीजिए।

12) प्रेमचंद के उपन्यास 'गोदान' के प्रतिपाद्य पर एक निबंध लिखिए।

13) 'समय–सरगम' उपन्यास की मूल संवेदना व शिल्प पर एक निबंध लिखिए।

———